
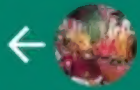


बिनु करुणा गुरुदेव मिटै नहिं खटपट मन की।
अटपट जग का जाल चाल भई लटपट तन की॥
झटपट दर्शन करहु, सिद्ध स्थल में आके।
चटपट होय प्रकाश, ध्यान गुरु का उर लाके॥

(श्री) रामदास विश्वास गहि गुरु चरणनि में जो लगे।
सिद्ध भूमि पटिया निरखि, चरणामृत लो अघ भगे॥



जय-जय श्री करहधाम



श्री भरत दास जी अयोध्या पुरी

भाग 43



भाग 13 श्री गुरुदेव भगवान श्री श्री अनन्त श्री विभूषित श्री राम दास जी महाराज श्री करह विहारी सरकार के आदेश से ।

शिष्य श्री भरतदास जी 6 साल श्री राम हर्षण कुंज अयोध्या पूरी

में रह कर श्री लीला विहारी सरकार की सेवा की ये एवं 10 साल श्री राम मंत्रार्थ मण्डपम् में रह कर श्री लीला विहारी सरकार की सेवा की ये मोती धागा से हार कंठा कमरपेटी कहद भूषण बाजू बंद । पोछी हथ फूल नासा मणी दूल्हा श्री राम जी दुलहन श्री सीता जी का सैहरा अलकै बना कर पैहना ने की सेवा करते थे एवं मंच । सजाना लीला के बीच बीच में सीन बनाना माइक लगाना पर्दा खींचना एवं बंद करना एवं लीला में श्री राम जी किशोरी जी के । चलने के लिये पाबडा बिछाना श्री सीताराम विवाह में विवाह पण्डप बनाना सावन झूलन महोत्सव में झूला सजाने की सेवा करते थे एवं । ऊटूयूव पर चैनल बनाया (श्री भरतदास जी अयोध्या पुरी) के नाम से मोबाइल टेबलेट से वीडियो बना कर अपलोड करना व्हस्टपएप । पर 47 ग्रूप बना कर लीला की वीडियो शेयर करना एवं अयोध्या पुरी के मंदिरों से खोज कर भगवान श्री सीताराम जू सरकार की । महा रास लीला एवं श्रृंगार रस के ग्रंथ जो आज प्राप्त नहीं है उनकी पीढ़ी एप बना कर श्रृंगार रस के उपासक अधिकारी संत भगवान । एवं भक्तों के पास शेयर करने की सेवा करते रहें ॥ श्री सीतारामचन्द्राभ्यां नमः ॥ श्री गुरु चरणकमलेभ्यो नमः ॥

॥ बधाई - संदेश ॥

। रामस्य नाम रूपञ्च लीला धाम परात्परम् ।

। एतच्चतुष्टयं नित्यं सच्चिदानन्द विग्रहम् ॥

सोउ जाने कर फल यह लीला । कहहिं सुनहीं मुनिवर दम शीला ॥

॥ श्री श्री अनन्त श्री विभूषित श्री हरिदास जी महाराज की ओर से भक्तों को शुभार्शीवचन ॥

पूर्णतम परब्रह्म परमात्मा मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्री राम जी महाराज का ।

नाम , रूप , लीला व धाम श्री राम जी महाराज से अलग नहीं है , राम रूप ही है ।

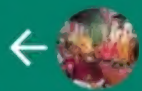
जो जन भगवान के नाम , रूप , लीला धाम में अनुरक्त है वे श्री राम जी महाराज में ही अनुरक्त है , अतः प्रभु श्री राम जी महाराज की लीला का आश्रय ग्रहण करने वाले परम सुधीजन श्री राम जी महाराज के ही कार्य में लगे हुए , श्री राम जी महाराज में ही स्थित और श्री राम जी महाराज के पूर्ण कृपा भाजन है ।

कलिपावनावतार गोस्वामी श्री तुलसीदास जी महाराज ने तो यहाँ तक कह दिया है कि श्री राम जी महाराज के जानने का फल ही उनकी लीला में प्रेम है ।



मैसेज लिखें





श्री भरत दास जी अयोध्या पुरी

भाग 44



श्री राम लीला के पात्रों पर श्री हनुमान जी महाराज की विशेष कृपा रहती है तथा श्री हनुमान जी महाराज उनके उभय लोकों के सभी कार्यों को संवारते हैं ।

अस्तु आप सभी जन परम बडभागी हैं जो श्री राम जी महाराज की लीला में अनुरक्त हैं आप सभी प्रभु की पूर्ण कृपा प्राप्त करें , आप लोगों की यह श्री राम लीला दीर्घायु हों , परम प्रभु से हमारी यही प्रार्थना व मनोकामना है ॥

महंत श्री हरिदास

अध्यक्ष

श्री राम हर्षण सेवा संस्थान

नया घाट , परिक्रमा मार्ग , श्री अयोध्या जी

जिला - अयोध्या उत्तर प्रदेश (भारत देश) श्री भरतदास जी अयोध्या में रह कर

16 साल भगवान श्री सीताराम जू सरकार की । लीला की सेवा करते रहें श्रावण

शुक्ल द्वितीया विक्रम सम्वत 2078 - 2021 को श्री भरतदास जी श्री राम हर्षण कुंज

अयोध्या पुरी में श्री सिद्धि सदन विहारिणी विहारी जू सरकार के लिए झूला की तैयारी

। कर रहे थे अचानक झूला का खम्मा फसल कर श्री भरतदास जी के पैर पर गिर

पड़ा पैर फूल गया डाक्टर को बुला कर इन्जेक्शन एवं । सुही लगबाया दबा दिया लोगों

ने कहा एक्सरा करा लीजिए तब श्री भरतदास जी ने सोचा कि एक्सरा कराते हैं तो

डाक्टर पलस्तर चढ़ा । कर बैठार देगा और भगवान के झूला की सेवा से बन्चित हो

जाएंगे इसलिए एक्सरा नहीं कराया श्रावण मास का झूला चलता रहा श्री भरतदास

जी दर्द की टेबलेट लेकर रोज भगवान श्री । सीताराम जू सरकार का झूला की

सजावट करते और रात्री में झूला के बाद सभी सजावट का सामान संभाल कर रखते

थे श्रावण शुक्ल । द्वादशी को सरूप संमेलन हुआ था पूरी अयोध्या के आश्रमों से

श्री सीताराम जू सरकार के सरूप सरकार श्रृंगार धारण कर पधारे । थे सभी को कर्म

कर्म से झूला झुलाया सभी सरकारों को एक साथ आसनों पर बिठाकर भोजन पबाया

सखी भाव के संत भगवान श्री सीताराम जू सरकार के सरूपों को मिथिला भाव की

गाली सुनाते थे और सरकार लोग मन्द मन्द मुस्कुराते हुए भोग आरोग्य रहे थे सभी

सरकारों को कलेवा का नेग भेट दक्षिणा समर्पित किया आचमन । करा कर तामूल

एवं पान समर्पित किया सभी को आश्रम की मर्सल द्वारा पहुँचा ने गए श्री भरतदास

जी ने श्रावण शुक्ल चतुर्वेदी को । अनुष्ठान वाले हॉल में स्टेज बना कर पर्दा एवं कुंज

लगाकर झांकी सजाई पूर्णिमा को रच्छा वंदन लीला हुआ श्री किशोरी जी एवं श्री सीता

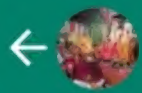
जी ने अपने सभी भाईयों के राखी बांदी और जिन संत । भगवान भक्तों को बहन

भईया का संवन्दपत्र मिला है उनके भी श्री किशोरी जी ने राखी बांदी श्री भरतदास जी



मैसेज लिखें





श्री भरत दास जी अयोध्या पुरी

भाग 45

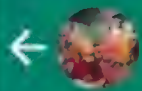


को भी श्री बहन । किशोरी जी ने राखी बांदी धूमधाम से श्रावण झूलन महोत्सव हुआ और रात्री के झूलन के बाद बिश्राम हुआ बहुत आनन्द आया । भादों कृष्ण पछ श्री कृष्ण जन्माष्टमी विक्रम सम्वत 2078 - 2021 को । श्री कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में स्टेज की सजावट किया और रात्री में कृष्ण जन्म लीला हुआ जन्म के बाद श्री कृष्ण जन्म बधाई । महोत्सव हुआ बहुत आनन्द आया । तब 24 दिन बाद श्री भरतदास जी हर्षण हृदय हास्पीटल फैजाबाद में प्रदीप भईया जय सवाल जी । के पास पहुंचे तब उन्होंने आदर से बैठाया और कहा महाराज जी हमारे हास्पीटल में हड्डी का काम नहीं होता है इसलिए प्रदीप भईया जय सवाल जी ने श्री भरतदास जी का देबा हास्पीटल में एक्सरा । कराया तो पैर की हड्डी टूटी निकली तब डाक्टर साहब ने कहा दो प्रकार का पलस्तर चढता है एक 4 हजार का जिस में हील डोल । नहीं सकते हैं और दूसरा 8 हजार का इस में आप चल फिर सकते है तब श्री भरतदास जी ने कहा 8 हजार का ही पलस्तर चढा दीजिए । पलस्तर चढाया गया प्रदीप भईया जय सवाल जी अपनी मार्सल से श्री राम मंत्रार्थ मण्डपम् में छोड़ गए श्री भरतदास जी तीसरी मंजिल । पर रहते थे तो आश्रम के मैनेजर श्री बलराम दास जी ने कहा ऊपर कोई सेवा नहीं करेगा नीचे आजाईए तब श्री भरतदास जी ने कहा हम को किसी की सेवा की जरूरत नहीं है हमारे पास गैस चूला बर्तन है केवल आटा सामान्य भिजबा दीजिए श्री भरतदास जी । पलस्तर चढे हुए में एक महीना 15 दिन तक अपने हाथ से रोटी सब्जी बनाकर अपने भगवान श्री सीताराम जू सरकार का भोग लगा कर प्रसाद पाते थे रसोई के बर्तन सुएम साफ करते थे डेढ़ महीने । तक डाक्टर प्रदीप भईया जय सवाल जी ने बडी सेवा किया अपनी मार्सल से बैठा कर हास्पीटल ले जाते थे देवा हास्पीटल का डाक्टर जो दबा लिख कर देता था सभी दबा डाक्टर प्रदीप भईया जय । सवाल जी अपने हास्पीटल से फिरी में देते थे डेढ़ महीने बाद पलस्तर कटा था 8000 हजार रुपये श्री भरतदास जी दीये लेकिन अंग्रेजी दबा रूट नहीं करती थी इसलिए पैर दया हाथ कमजोर होगया बैसे भी अंग्रेजी दबा एक रोग शान्ति करती है दूसरा उत्पन्न कर देती है तीसरी मंजिल पर । चढने उतरने में परेशानी आने लगी थी । श्री गोस्वामी तुलसीदास जी एवं श्री राम दास जी महाराज श्री करह विहारी सरकार की जयन्ती श्रावण शुक्ल सप्तमी विक्रम सम्वत 2079 - 2022 को । श्री भरतदास जी के जीवन में अचानक परिवर्तन हुआ भगवान श्री सीताराम जू सरकार की इच्छा से उर प्रेरक रघुवंश मणी के अनुसार । इच्छा हुआ के शरीर की जन्म भूमि मध्य प्रदेश मुरैना जिला जौरा तहसील में भम्पुरा ग्राम के पास में । ग्राम शियाई की टेक में सर्वेश्वरी श्री चारुशिला हनुमान मंदिर में रहकर भजन कीया जाए श्री भरतदास जी ने अपना सभी सामान । पेक



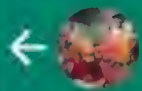
मैसेज लिखें





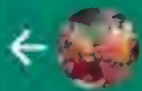
किया और एक मैटाढोल बुक कीया 20 रुपये किलो मीटर के हिसाब से मध्य प्रदेश मुरैना जिला कैलारस तहसील में ग्राम शियाई की टेक तक 16 हजार रुपये भाडा लगा गांव बाले सभी एकठे । होकर आए आश्रम की बौडरी के अन्दर गड्ढा था अपने टेक्टर से मिट्टी डाल कर बराबर कीया रहने के लिए 20 फुट लंबी छानि बनाया सभी गांव के लोग इकट्ठे हुए 500 रुपये 10 किलो गेहूं । प्रत्येक घर से दैने को कहा । और छानि की बौडरी का 3000 हजार रुपये का ठेका दिया 3000 हजार रुपये का नहाने दोने के लिए लेटर्ग बाथरूम का ठेका दिया । काम सुरु होगया छानि के अन्दर रसोई बनाने के लिए किचिन एवं सामान रखने के लिए अलमारी बनाया करीब एक महीने श्री भरत दास जी ने निवास कीया लेकिन 16 साल अयोध्या पुरी में । निवास किया था इसलिए चेन नहीं पर रहा था बार बार अयोध्या पुरी की याद आने लगी रात्री भर बैठ कर रोते थे अयोध्या पुरी में 9 अक्टूबर 2022 से 18 अक्टूबर 2022 तक श्री राम मंत्रार्थ मण्डपम् में श्री राम मंत्र महा यज्ञ रजत जयन्ती महोत्सव होने जाराह था श्री महंत अयोध्या दास जी महाराज ने फौन किया कि कार्यक्रम में आजाईए फिर तो श्री भरतदास जी को लगा कि श्री राम जी महाराज बुला रहे है गांव बालों से काह अयोध्या में कार्यक्रम होरहा है हम को जाना है तब । गांव बाले बहुत दुखी हुए लेकिन श्री भरतदास जी की हट के आगे किसी की नहीं चली सभी गांव बाले 20 हजार रुपये एक कुटिल गेहूं इकट्ठा किया मैटाढोल बुक कीया सामान लोड कर चलदीए श्री भरतदास जी को बहुत बेचैनी थी सोचा कि अयोध्या पहुंच ने के बाद लोट । कर नहीं आएंगे लेकिन एक कहाबति है । नर की चेती ना चले प्रभु की चेती तत्काल ।। बलि ने चाहा शुर्ग को प्रभु ने पठाया पाताल । मुनिषय जैसा चाहता है बैसा नहीं होता है प्रभु जैसा चाहते हैं बैसा होता है । अयोध्या पुरी पहुंचे श्री राम मंत्र महा यज्ञ रजत जयन्ती महोत्सव में श्री बलराम दास जी महाराज । बोले 180 रामअर्चा होना है आश्रम में जितने श्री रामअर्चा के तख्त है सभी को इकट्ठा करें तो श्री भरतदास जी ने सभी तख्त इकट्ठा किया और । सभी मंचों की सेवा दीए कहीं पर्दा बादे कहीं स्टेज लग बाया और श्री वृंदावन धाम से पधारी रास लीला मण्डल की सेवा में तत्पर रहे । भारत के अनेकों बडे बडे महापुरुष पधारे थे सभी के दर्शन का लाभ मिला धूमधाम से श्री राम मंत्र महा यज्ञ रजत जयन्ती महोत्सव हुआ बहुत आनन्द आया । लेकिन जिस दिन से गांव शियाई की टेक से अयोध्या पुरी गएँ थे उसी दिन से रात्री में सोने में ऐसा महसूस होता था कि मेरे राम । अयोध्या पुरी में नहीं है लेकिन ग्राम शियाई की टेक में सोए है रोज ऐसा ही महसूस होता था बीच बीच मे फौन के द्वारा गांव बालों से बात होती थी तो गांव बाले कहते थे महाराज जी आपकी छानि बनी है आप । आजाईए तब श्री राम लला सरकार की ऐसी प्रेरणना





हूआ के गांव में ही रहना उचित होगा तब एक दिन श्री भरतदास जी ने अपनी जन्म भूमि ग्राम भम्पुरा के बनवारी सिंह को फौन किया कि अयोध्या पुरी की । तरफ से कोई टिक मुरैना की तरफ जाइराह है कि नहीं तब बताया इस समय मर्गा गांव के लडके आसाम में मारूती उतार कर आए हैं और गोरखपुर में टिक खडा है तब श्री भरतदास जी ने । श्री महंत अयोध्या दास जी महाराज से कहा गांव जाने के लिए टिक मिल गया है । इसलिए मेरे राम जाए रहे है तब । श्री महंत अयोध्या दास जी महाराज ने 31 सौ । रुपये एक पीली धौती और 5 किलो ललडू बिदाई में दीए श्री भरतदास जी दण्डवत कीये और अपना सभी सामान टेकटर में लोड कर बाई पास ले गए बाई पास से मूणन पुरा बाले सेठी सिंह के टिक में सामान लोड कर चलदीए और दूसरे दिन आगरा में उतरे । आगरा से मर्गा गांव के उमेद सिंह के लडके सामान लोड कर के मुरैना में श्री भरतदास जी के शरीर के भतीजे दशरथ सिंह धनाके पुरा बाले के मकान पर पहुंचे तो बडा स्वागत किया भोजन प्रसाद पबाया और 18 सौ रुपये में मैटाढोल बुक किया सामान लोड । करबाया और चलदीए ग्राम शियाई की टेक में सर्वेश्वरी श्री चारूशिला हनुमान मंदिर में पहुंचे तो गांव बालों को बहुत प्रसन्नता हुआ एक महीना तक रह कर भजन किया एक दिन श्री अयोध्या पुरी से श्री मिथिलेश शास्त्री जी जो श्री सीताराम विवाह महोत्सव समैया में श्री जनक जी महाराज का अविनय करते हैं फौन किया । कहा श्री भरतदास जी आप श्री सीताराम विवाह महोत्सव समैया में अयोध्या जी में आजार्इए क्यों कि जो पर्दा लगाने खोलने एवं माइक लगाने की सेवा आप करते थे उस सेवा को आकार समारीये । आप के अलावा कोई करने वाला नहीं है तों श्री भरतदास जी ने कहा अगर जब तक हमारी छानि की बौडरी पूरी हो जाएगी तो देखा जाएगा लेकिन छानि की बौडरी पूरी नहीं हुआ अगहन शुक्ल पक्ष प्रतिपदा विक्रम सम्वत 2079 - 24 तारीख 2022 गुरुवार को सुबह से श्री भरतदास जी के मन में बडी बेचैनी उत्पन्न होगई कुच्छ समझ में नहीं आबै ऐसा क्यों होरहा है । अयोध्या पुरी से 12 बजे फौन कीये भूतपूर्व श्री किशोरी जी के सरूप सरकार कहा महाराज जी आजार्इए आपकी सेवा कोई करने वाला नहीं है तब श्री भरतदास जी की समझ में सारी बात आ गई के इसलिए बेचैनी हो रही थी । तब तत्काल श्री भरतदास जी ने छानि की बौडरी पूरी नहीं हो सकी थी तो उस जगह टीन लगाकर सुरक्षित किया और अपने । शरीर के छोटे भाई रामलखन सिंह को फौन किया और कहा हमारे राम को श्री अयोध्या पुरी जाना है आप मोटरसाइकिल लेकर आईए । 1 घंटे के भीतर अमरजैसी सामान बैग में रख कर तइयार हो गए । रामखथियार सिंह के घर निमंत्रण था तो भोग का थाल लेकरआये थे रामखथियार सिंह बोले बाबा पहले भोजन पाईलीजीए तब जाना तो श्री





भरतदास जी ने बिचार किया भोजन पाने में बहुत देर हो जाएगी इसलिए ठाकुर जी का भोग लगा कर तसमई पीलिया और पूड़ी अचार बैंग में रखलीया रामखथियार सिंह और घर से पूड़ी मगबाए बोभी बैंग में रख लिया तब तक रामलखन सिंह मोटरसाइकिल । लेकर आ गए मोटरसाइकिल पर बैठा कर जौरा पहुंचा दिया जौरा से बस पकड़ कर मुरैना पहुंचे मुरैना से बस पकड़ कर । ग्वालियर बस टेट पर उतर कर बैटरी रिक्सा पकड़ कर ग्वालियर रेलवे स्टेशन पहुंचे टिकट कटाने गए तों बताया तत्काल रजबेसन नहीं होसकता है तब बिगर टिकट कटाए ही टिर्न में बैठ कर इटावा । पहुंच ते ही मरूधर टिर्न मिली उस में बैठकर 25 तारीख को अयोध्या पुरी पहुंच गए बैटरी रिक्सा पकड़ कर श्री राम मंत्रार्थ मण्डपम् पहुंचे श्री बलराम दास जी महाराज से पूछा कि मेरे राम को कहा रुकना है । तों श्री बलराम दास जी महाराज बोले श्रृंगारी श्री राम निवास दास जी के पास जाओ तब श्रृंगार कुंज में पहुंचे श्री श्रृंगारी जी महाराज बोले राजाओं बाली श्रृंगार कुंज में रुकीये तब श्रृंगार कुंज में जाकर स्नान कीया और नियम टेम कीया पहले जिस रूम में रहते थे उस की बगल में श्री भरतदास जी ने 25 गमला में तुलसी लगा रखी थीं जाकर देखा तो सभी पानी के बिगर सूख रही थी तब तत्काल सभी गमलो में पानी से सिंचाई कीया अयोध्या पुरी में सभी बगीचे की तुलसी डंडी में सूख जाती हैं लेकिन श्री भरतदास जी तीसरी मंजिल पर रहते थे इसलिए भाह पर तुलसी । नहीं सुखती है उस के बाद श्री महंत अयोध्या दास जी महाराज को दण्डवत कीया और कहा हमारे राम केवल श्री सीताराम विवाह महोत्सव समैया की सेवा के लिए उपस्थित हो गए हैं श्री महाराज । जी को बहुत प्रसन्नता हुआ भोजन प्रसाद पाने के बाद श्री मिथिलेश शास्त्री जी ने कहा लीला मंच का पर्दा नहीं खिच रहा है उस को ठीक कराइए तब श्री भरतदास जी 5 लडकों को पकड़ कर पर्दा खुलबा । कर दुबारा बध बाया तब ठीक हुआ । प्रथम दिन श्री जानकी एवं श्री सीता जी जन्म एवं प्राकटय् लीला हुआ यूट्यूब पर (श्री राम हर्षण सेवा संस्थान) चैनल पर लाइव के माधिम से श्री सीताराम विवाह महोत्सव समैया के सभी कार्यक्रम दिखाया था आप लोग देख । सकते है कि श्री भरतदास जी क्या क्या सेवा करते थे मंच पर प्रथम दिन श्री जानकी जन्म एवं बधाई महोत्सव एवं श्री शंकर जी पधारे थे श्री किशोरी जी के दर्शन करने के लिए श्री देव ऋसी नारद जी पधारे श्री किशोरी जी का नाम संस्कार कीया श्री किशोरी जी की खिलोना लीला और अनेक प्रकार की बाल लीला । दूसरे दिन सुबह का । दरबार हुआ । साम को मुनि आगमन नगर दर्शन फुलवारी लीला हुआ । तीसरे दिन सुबह का दरबार हुआ । साम को धनुष यज्ञ लड्मण परशुराम संबद । चौथे दिन सुबह का दरबार हुआ । साम को श्री राम बरात द्वारचार परिछन मण्डप प्रवेश और अनेक विधि





धान कुटाबन कन्या दान पैर पखंनी भामरी सिंधूर दान कोहबर प्रवेश । पांचवें दिन सुबह का दरबार हुआ । साम को श्री हनुमान जी की आरती चक्रवर्ती श्री दशरथ जी महाराज के चारों राजकुमारों सहित आरती हुआ । मिथिला अयोध्या के रनिवास का मिलने हुआ एवं कुंगर कलेऊ श्री राम कलेवा मिथिला की रगीली होली हुआ । छटबै दिन कोहबर लीला चौपर खेलन पर्स पर बचना अमृत आरती । कार्यक्रम का बिश्राम और श्री भरतदास जी को सभी लीला सरकारों की माला के रूप में आशीर्वाद प्राप्त हुआ था एवं श्री भरतदास जी हरि साल श्री सीताराम विवाह महोत्सव समैया के बाद । में 6 दिन के कार्यक्रम की पहनी हुई माला रखी रहती हैं आखिरी दिन श्री भरतदास जी सभी मालाओ को धरण कर लेते थे भगवान श्री सीताराम जू सरकार बहुत प्रसन्न होते थे श्री भरतदास जी ने इस । साल सभी माला धारण किया दूल्हा दुलहन श्री सीताराम जू सरकार बहुत प्रसन्न हो रहे थे श्री भरतदास जी अगहन शुक्ल पक्ष द्वितीया विक्रम सम्वत 2079 - 2022 शुक्रवार से अगहन शुक्ल पक्ष सप्तमी विक्रम सम्वत 2079 - 2022 बुधवार तक कार्यक्रम में । आनन्द लिया और साम को श्री महंत अयोध्या दास जी महाराज से प्रार्थना कीया के कल सुबह मुरैना के भक्तों के साथ प्रस्थान करना है । तों श्री महंत अयोध्या दास जी महाराज ने पूछा कितना किराया लगा आने में तो श्री भरतदास जी बोले 1सौ15 रुपये एवं कहा के फिरी में आना हुआ तब महाराज जी कहे इस तरफ से भी फिरी में । जाना होगा तब श्री भरतदास जी को श्री महंत अयोध्या दास जी महाराज ने 21 सौ रुपये एक गरम चादर और 4 थेली बूंदी की । बिदाई में दीए 1 तारीख को सुबह 4 बजे टेकटर से मनिकापुर पहुंचे भाह से बरौनी ग्वालियर टिर्न पकड़ कर ग्वालियर आए ग्वालियर से बस पकड़ कर मुरैना में श्री सीताराम विवाह महोत्सव समैया में जो । लड्मण लाल जी बने थे उनही के साथ अयोध्या पुरी से वापिस आए मुरैना में श्री लड्मण लाल जी के घर रुके थे रात्री बिआरू किए सो गए 2 तारीख को सुबह उठकर स्नान किए नियम कीया । सालिग्राम भगवान को स्नान कराया और तब तक भोजन तइयार होगया था श्री सालिग्राम भगवान को भोग लगाकर प्रसाद पाकर । और श्री लड्मण लाल के पिता जी एक बैटरी रिक्सा में बैठा कर बस टेंट भेज दिए बस टेंट से बस पकड़ कर कैलारस उतर कर फिर । कोत्सिरथरा बाली बस पकड़ कर कोत्सिरथरा आए इत में ग्राम शियाई की टेक से श्री भरतदास जी के शरीर के छोटे भाई रामलखन सिंह का लडका शिवराम सिंह टेकटर लेकर पहुंच गया था टेकटर में बैठकर ग्राम शियाई की टेक सर्वेश्वरी श्री चारूशिला हनुमान जी के । आकार दर्शन की ये अगहन शुक्ल पक्ष एकादशी विक्रम सम्वत 2079 - 4 - 12 - 2022 रविवार को सर्वेश्वरी श्री चारूशिला हनुमान





जी महाराज के सानिध्य में रह कर श्री भरतदास जी भजन कर रहे हैं । श्री करह आश्रम की गुरु परम्परा । सीता नाथ समारम्भा रामानन्दार्य मध्यमाम् अष्मदाचार्य पर्यन्तां वन्दे गुरु परम्पराम् । सर्वेश्वर भगवान श्री राम जी । जगतजननी श्री जानकी जी । नित्य पार्षद श्री हनुमान जी । श्री ब्रह्मा जी । श्री वसिष्ठ जी । श्री पाराशर जी । श्री वेदव्यास जी ब्रह्म सूत्रकार । श्री शुकदेव जी । श्री पुरुषोत्तमाचार्य जी - बोधायन वृत्तिकार । जगद गुरु श्री गंगाधराचार्य जी । श्री सदानन्दाचार्य जी । श्री रामेश्वरानन्दाचार्य जी । श्री द्वारानन्दाचार्य जी । श्री देवानन्दाचार्य जी । श्री श्यामानन्दाचार्य जी । श्री श्रुतानन्दाचार्य जी । श्री चिदानन्दाचार्य जी । श्री पूर्णानन्दाचार्य जी । श्री श्रियानन्दाचार्य जी । श्री हर्यानन्दाचार्य जी । श्री राघवानन्दाचार्य जी - श्रीमठ काशी । श्री यतिराज रामानन्दाचार्य जी - आनन्द भाष्यकार । श्री अनन्तानन्दाचार्य जी । श्री कृष्णदास जी पयहारी - गलता - गद्दी - जयपुर । श्री अग्रदास जी , रैवासा , गद्दी - मारबाड । श्री नारायणदास जी - (श्री नाभा जी महाराज) । श्री श्यामदास जी । श्री प्रेमदास जी । श्री प्रह्लाददास जी । श्री रघुनाथदास जी । श्री भगवानदास जी । श्री मस्तरामदास जी - बहादुर गंज , उज्जैन - मस्तराम अखाडा । श्री आशाराम दास जी गुल्लर छत्तासिंह पौर - जगदीशपुरी । श्री प्रेमदास जी - गुल्लर छोटा छत्ता - जगदीशपुरी । श्री भगवान दास जी - परमहंस - गोपाल घाट - गोकुल । श्री सीतारामदास जी (श्री तपसी जी महाराज) स्थान - नूराबाद , हनुमान गढी । श्री रामरतन दास जी महाराज स्थान करह । श्री रामदास जी महाराज रामायणी जी स्थान करह पटिया बाले बाबा । श्री भरतदास जी स्थान सर्वेश्वरी श्री चारुशिला हनुमान मंदिर ग्राम शियाई की टेक तहसील कैलारस जिला मुरैना मध्य प्रदेश भारत देश 🌸🌸🌸 ॥ गुरु कहै सो कीजिये गुरु करै सो नाहिं । गुरु ब्रह्म तुम जीव हो है शास्त्रन के मांहि है शास्त्रन के मांहि ॥ गुरु की करना सेवा ब्रह्मा विष्णु महेश गुरु देवन के देवा । रामदास गुरु शरण गहि भवसागर तरि जांहि ॥ गुरु कहें सो कीजिये गुरु करें सो नांहि । 🌸🌸🌸 चरण पादुका की शरण नमन करूं दिन रात ॥ दरस परस अरू ध्यान से सकल विघ्न मिट जात । सकल विघ्न मिट जात तिमिर उरको लखि नासत ॥ कृपा मुर्ति गुरु कृपा सदा पटिया पर राजत । रामदास से दीन की , दयामयी है मात ॥ चरण पादुका की शरण नमन करूं दिन रात ॥ 🌸🌸🌸 हम वासी वा देश के जिसे कहत साकेत । जिसे कहत साकेत श्रुति जाके गुन गावे ॥ शम्भु शारदा शेष महत्व कहिं अंत न पावे । सत्य धाम बैकुंठ वहिश्त से परे विराजे ॥ राम धाम सत चित्त नित्य धामन सिर ताजे । हंसन की कहा चली परम हंसहु ललचावें ॥ बिना कृपा श्री राम स्वप्न में दर्शन पावें । त्रिगुण त्रिवेद त्रिवेद काल की गति जहं



नाहीं ॥ दिव्य किशोर स्वरूप भक्त सुख सिंधु समाही । नाम रूप गुण भेद जहाँ कतहूँ
नहिं दरसे ॥ होइ अन्भेद पुनि भेद भाव से सुख में सरसे । रामदास पहुंचे वही काहू सों
नहिं हेत ॥ हम वासी वा देश के जिसे कहत साकेत ॥ पटिया पर आसन
कियो श्री गुरु वर्ष पचास । जाको चरणमृत पियें होइ पाप का नास ॥ होइ पाप का
नास भजन की महिमा भारी । जड से होइ चैतन्य हरत जन पीडा सारी ॥ रामदास
पर करि कृपा पटिया तेरी आस । पटिया पर आसन कियो श्री गुरु वर्ष पचास ॥
पटिया है मंगल करनि कल्प वृक्ष रहि काल । काम धेनु प्रत्यक्ष है दया करत
तत्काल ॥ दया करत तत्काल धोय चरणा मृत ली जै । श्री सिद्ध बाबा की प्रेम सहित
परिक्रमा कीजे ॥ रामदास ते धन्य राम के नाम के रटिया । दीनन को दुःख हरन श्री
गुरु देव की पटिया ॥ घर को परसैया अहैं और अंधेरी रात । और अंधेरी
रात जन्म मानुष को पायो ॥ भरत खण्ड शुचि भूमि ब्रह्म जहाँ विचरन आयो । गंगा
जमुना निकट धाम दर्शन के काजे ॥ संतन को करि संग राम गुण सुनि अघ भाजे ।
रामदास गुरु कृपा से भली बनी है बात ॥ घर को परसैया अहैं और अंधेरी रात ॥
पटिया पर गुरु देव ने । किय निरंतर जाप ॥ जाके दर्शन मात्र से । मिटत
पाप संताप ॥ मिटत पाप संताप तख्त पर दादा गुरु बैठे । गोकुल से नूराबाद ॥ दर्श दे
जन दुःख मेटे ॥ श्री लखनदास गुरु भाई जेष्ठ विराजत निशि दिन खटिया । रामदास
कर दर्श तख्त खटिया और पटिया ॥ जय श्री सीताराम भाग 13

भाग 51

सुबह 9:01 ✓

😊 मैसेज लिखें









































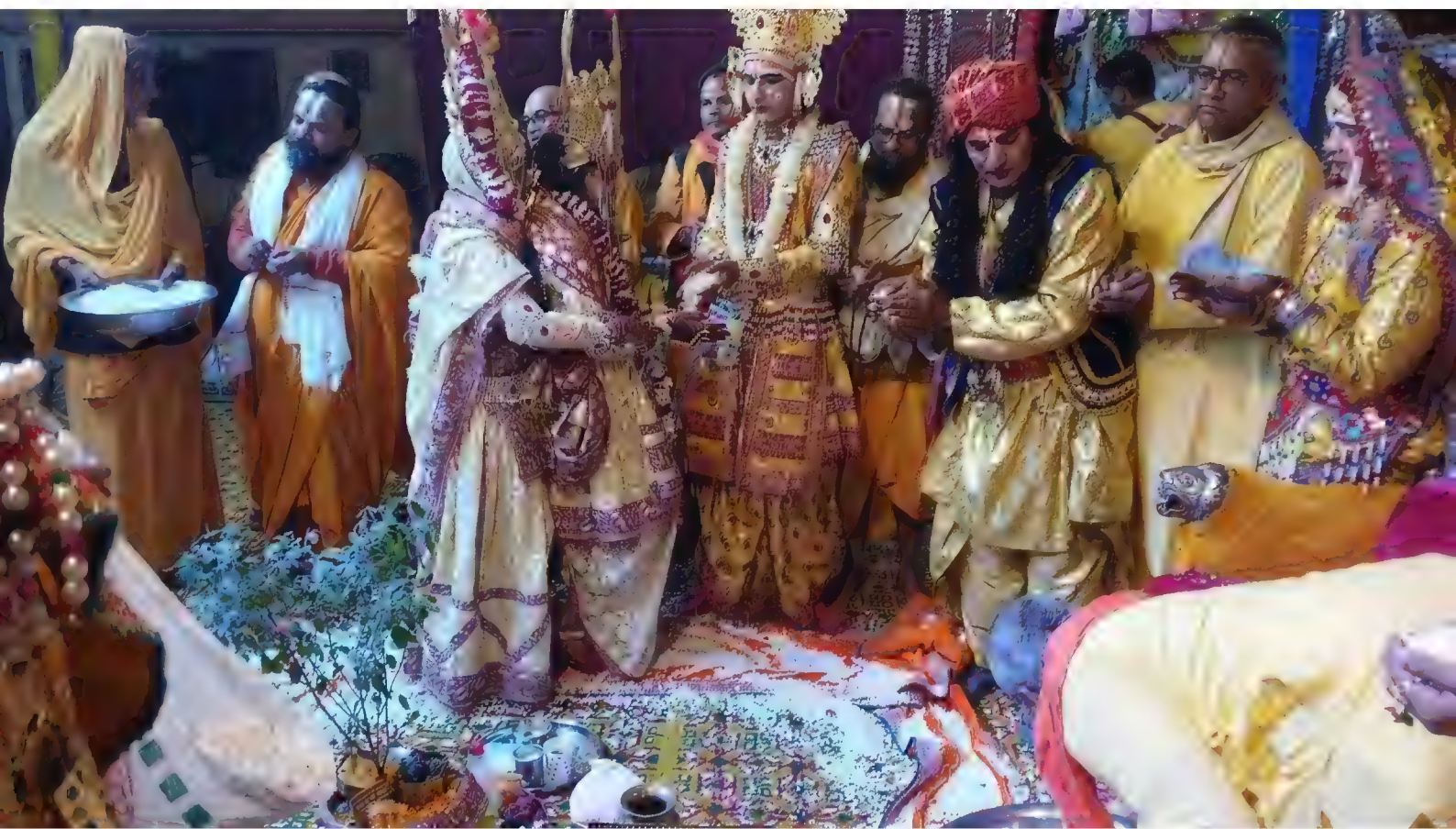






























































A photograph of a Hindu shrine. In the center, a deity is seated on a green patterned cloth, wearing white robes and a white shawl. To the left, two deities in yellow robes are seated. To the right, a deity in a yellow and green robe is seated. The background is a large white archway with the word 'श्री' (Shri) in Devanagari script. The shrine is decorated with garlands and flowers.























